# 'गैरों में कहाँ दम था, मुझे, तो सदा अपनों ने ही मारा है'

## दौसा उपचुनाव में जगमोहन मीणा की हार के बाद डॉ. किरोड़ी का भाव भरा बयान

जयपुर, 23 नवम्बर। कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने दौसा उपचुनाव में अपने भाई जगमोहन मीणा की हार के बाद एक बयान जारी किया है। राजनीतिक गलियारों में इस बयान के कई मायने निकाले जा रहे हैं। डॉ. मीणा ने कहा, 5 साल हो गए, राजनीति के सफर के दौरान सभी वर्गों के लिए संघर्ष किया। जनहित में सैंकड़ों आंदोलन किए, साहस से लड़ा। बदले में पुलिस के हाथों अनगिनत चोटें खाईं। आज भी बदरा घिरते हैं तो समूचा बदन कराह उठता है। मीसा से लेकर जनता की खातिर दर्जनों बार जेल की सलाखों के पीछे रहा। संघर्ष की इसी मजबूत नींव और सशक्त धरातल के बूते दौसा का उपचुनाव लड़ा। जनता के आगे संघर्ष की दास्तां रखी। घर- घर जाकर वोटों की भीख भी मांगी। फिर भी कुछ लोगों का दिल नहीं पसीजा।"

किरोड़ी लाल ने बयान में आगे कहा, "भितरघाती मेरे सीने में वाणों की वर्षा कर देते तो मैं दर्द को सीने में दबा सारी बातों को दफन कर देता, लेकिन उन्होंने मेघनाथ बनकर मेरे लक्ष्मण जैसे भाई पर शक्ति का बाण चला डाला। साढ़े चार दशक के संघर्ष से न तो हताश हूँ और न ही निराश। पराजय ने मुझे सबक अवश्य सिखाया है लेकिन विचलित नहीं हूं। आगे भी संघर्ष के इसी पथ पर बढ़ते रहने के लिए कृतसंकल्प हूं। गरीब, मजदूर, किसान और हरेक दुखिया की सेवा के व्रत को कभी नहीं छोड सकता, परन्तु ह्रदय में एक पीड़ा अवश्य है। यह बहुत गहरी भी है और पल-प्रति-पल सताने वाली भी।

> ■ उन्होंने कहा, भीतरघाती मेरे सीने में बाणों की वर्षा कर देते तो मैं दर्द को सीने में दबा कर सारी बातों को दफन कर देता, लेकिन उन्होंने मेघनाद बन कर मेरे लक्ष्मण जैसे भाई पर शक्ति का बाण चला दिया।

जिस भाई ने परछाईं बनकर जीवन भर मेरा साथ दिया, मेरी हर पीड़ा का शमन किया, उऋण होने का मौका आया तो कुछ जयचंदों के कारण मैं उसके ऋण को चुका नहीं पाया। मुझमें बस एक ही कमी है कि मैं चाटुकारिता नहीं करता और इसी प्रवृत्ति के चलते मैंने राजनीतिक जीवन में बहुत नुकसान उठाया है। स्वाभिमानी हूं। जनता की खातिर जान की बाजी लगा सकता हूं। गैरों में कहां दम था, मुझे तो सदा अपनों ने ही मारा है।"

### राजस्थान में ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पार्टी को यदि भविष्य में अपना अस्तित्व बचाना है, तो उसे शक्तिशाली क्षेत्रीय तथा जाति आधारित नेता तैयार करने होंगे, जिनका व्यापक प्रभाव हो। राजस्थान उपचुनाव से कांग्रेस को सीख लेने की ज़रुरत है, क्योंकि उसके लिए भविष्य के आयाम चिंताजनक हैं।

## प्रियंका गाँधी सशक्त बनेंगी

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को भारी मतों से जिताने के लिए वायनाड के लोगों का आभार जताया। खड़गे ने शनिवार को कहा, देश के नेतृत्व में वायनाड अपना योगदान देता रहेगा। मुझे पूरा विश्वास है कि श्रीमती प्रियंका गांधी संसद में वायनाड और देश के लोगों की सशक्त आवाज बनेंगी।" उन्होंने कहा कि श्रीमती वाड्रा का कुशल नेतृत्व, करुणा, शालीनता और दृढ़ संकल्प तथा संविधान के सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को और समृद्ध बनाएगी।

## राहुल ने झारखंड की जीत पर आभार जताया

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शनिवार को झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत के लिए लोगों को धन्यवाद दिया और झारखंड मुक्ति मोर्चा तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को जीत की शुभकामनाएं दीं। कांग्रेस नेता ने महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव परिणामों को अप्रत्याशित बताया और कहा कि बाद में गठबंधन के हार के कारणों की समीक्षा की जाएगी। गांधी ने कहा, "झारखंड के लोगों का, इंडिया गठबंधन को विशाल जनादेश देने के लिए दिल से धन्यवाद। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी, कांग्रेस और झामुमो के सभी कार्यकर्ताओं को इस विजय के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं।

> ■ उन्होंने कहा झारखंड में इंडिया गठबंधन की जीत संविधान तथा जंगल-जीवन की रक्षा की जीत है।

# खींवसर और दौसा उपचुनाव में नये राजनीतिक समीकरण उभरे

## परिवारवाद तथा जमीनी स्तर पर कमजोरी ने डॉ. किरोड़ी व हनुमान बेनीवाल की प्रतिष्ठा को चोट पहुँचाई

जयपुर, 23 नवम्बर। उपचुनावों के दौरान हॉट सीट मानी जाने वाली दौसा और खींवसर में वोटर्स के रुझान ने सियासत को गरमा दिया है। दौसा में मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई जगमोहन और खींवसर में हनुमान बेनीवाल की पत्नी कनिका बेनीवाल की हार ने नए सियासी समीकरणों की तरफ इशारा किया है। दौसा में पायलट समर्थक दीनदयाल बैरवा ने जगमोहन मीणा को हराया है। खींवसर में हनुमान बेनीवाल के कार्यकर्ता रहे रेवंतराम डांगा ने भाजपा के टिकट पर उन्हें हरा दिया। इन दोनों सीटों के नतीजों ने राजस्थान की राजनीति के दो बड़े दिग्गजों के सियासी कथानक को प्रभावित किया है।

डॉ. मीणा ने छोटे भाई जगमोहन के लिए प्रचार प्रसार के दौरान सभी तरह के हथकंडे अपनाये। गले में "भिक्षाम् देहि" का बोर्ड लटकाकर किरोड़ी लाल मीणा ने वोट की भीख मांगी, लेकिन जनता ने अपना फैसला सुना दिया। सियासी हलकों में इस हार को डॉ. किरोड़ी लाल मीणा की जमीनी सियासत पर कमजोर होती पकड़ से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके अलावा, भाजपा उम्मीदवार, मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के भाई की हार के पीछे भितरघात को एक बड़ा फैक्टर माना जा रहा है। भाजपा का एक खेमा भी नाराज था। पूर्व विधायक शंकरलाल शर्मा का टिकट कटने से उनके समर्थक नाराज थे। गैर आरक्षित सीट पर जनरल कास्ट के उम्मीदवार की जगह भाजपा ने जगमोहन मीणा को टिकट दिया, जिससे सामान्य वर्ग के वोटर्स में नाराजगी थी।

> ■ दौसा में भाजपा की हार का कारण यह माना जाता है कि पार्टी ने एक ही परिवार में सत्ता का केन्द्रीकरण कर दिया। जनरल सीट से मीणा को टिकट देने से भाजपा के परम्परागत वोटर छिटक गये।
>
> ■ बेनीवाल की पत्नी को टिकट भी परिवारवाद का प्रतीक माना गया। साथ ही दुर्ग सिंह के भाजपा में शामिल होने से भाजपा के वोटों का बंटवारा नहीं हुआ।

किरोड़ी- विरोधी खेमे ने परिवारवाद को भी बड़ा मुद्दा बनाया था। विरोधियों ने कहा कि किरोड़ी खुद मंत्री हैं, उनके भतीजे राजेन्द्र मीणा महुवा से भाजपा विधायक हैं। अब छोटे भाई जगमोहन मीणा को टिकट देकर एक ही परिवार में सत्ता का केन्द्रीयकरण कर दिया गया है। इस फैक्टर ने भी उन्हें नुकसान पहुँचाया। दौसा में कांग्रेस उम्मीदवार दीनदयाल बैरवा सचिन पायलट समर्थक हैं। इस सीट पर कांग्रेस के सभी बड़े नेता प्रचार के लिए गए। सचिन पायलट ने भी दो दिन घूमकर प्रचार किया था। पायलट के लिए यह सीट प्रतिष्ठा की सीट थी। गुर्जर, दलित और मुस्लिम वोट कांग्रेस को मिला, मीणा वोटों में भी विभाजन हो गया। इसका फायदा सीधा कांग्रेस को मिला। किरोड़ी की सियासी मोर्चे पर दौसा में कमजोर होती सियासी पकड़ से जोड़कर देखा जाएगा। अब पार्टी और सरकार में भी किरोड़ी की हैसियत पर इस नतीजे का असर होगा। मनोवैज्ञानिक और मॉरल तौर पर उनकी आक्रामकता पर असर पड़ सकता है।

खींवसर में हनुमान बेनीवल की पत्नी आर.एल.पी. उम्मीदवार कनिका बेनीवाल की हार ने सासंद हनुमान बेनीवाल का सियासी नरेटिव बिगाड़ दिया है। खींवसर में उपचुनाव हारने के बाद हनुमान बेनीवाल की पार्टी विधानसभा में साफ हो गई है। विधानसभा में अब आर.एल.पी. की एक भी सीट नहीं है।

साल 2023 में आर.एल.पी. की एक ही सीट थी, जिस पर हनुमान बेनीवाल जीते थे। बेनीवाल के सांसद बनने के बाद खाली हुई सीट पर उनकी पत्नी ने चुनाव लड़ा था। बेनीवाल की पत्नी की हार के पीछे भी परिवारवाद बड़ा फैक्टर माना जा रहा है, भाजपा ने इस बार इसे बड़ा मुद्दा बनाया। बेनीवाल पहली बार भाजपा की टिकट पर खींवसर से विधायक बने थे। भाजपा छोड़ने के बाद, वे आर.एल.पी. से जीते। पहली बार सांसद बने तो भाई नारायण बेनीवाल को टिकट दिया और वे जीते। इस बार सासंद बने तो पत्नी को टिकट दिया।

पिछले उपचुनाव के समय से ही बेनीवाल के कोर वोट बैंक में सेंध लगनी शुरु हो गई थी, आर.एल.पी. के कई नेता और कार्यकर्ता पार्टी छोड़ गए। हर किसी का विरोध और एक जैसी आक्रामक राजनीति जनता को रास नहीं आई। बेनीवाल की हार का एक बड़ा कारण यह रहा कि भाजपा के वोटों का बंटवारा नहीं हुआ। अब तक दुर्ग सिंह खींवसर से चुनाव लड़ते थे और भाजपा के वोट बंट जाते थे, इस बार दुर्ग सिंह बीजेपी में शामिल हो गए, वे चुनाव नहीं लड़े, इसलिए वोटों का बंटवारा नहीं हुआ, जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिला।

हनुमान बेनीवाल की पत्नी के उपचुनाव हारने के बाद अब नागौर जिले की सियासत भी प्रभावित होगी। बेनीवाल सियासी रूप से कमजोर हुए हैं। उनके ही कार्यकर्ता ने भाजपा में जाकर उनकी पत्नी को उपचुनाव हरवा दिया, बेनीवाल 2023 का चुनाव बहुत कम अंतर से जीते थे। बेनीवाल अब तक सासंद का चुनाव गठबंधन बदलकर ही जीतते रहे हैं, पिछली बार जब वे भाजपा के गठबंधन में सांसद बने थे, तब 2019 के उपचुनाव में उनके भाई नारायण बेनीवाल जीते थे, तब भाजपा उनके साथ थी। इस बार उपचुनाव में गठबंधन नहीं था।

उपचुनावों में पत्नी की हार के बाद यह साफ हो गया कि आक्रामक राजनीति से बेनीवाल ने जो वोट बैंक बनाया, वह दरकने लगा है। यूथ वोटर्स उनके साथ जुड़ा, लेकिन वे उसे बरकरार नहीं रख पाए।

## कैंसर विशेषज्ञों की चेतावनी

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 नवम्बर। पूर्व क्रिकेटर और मीडिया पर्सन नवजोत सिंह सिद्धू ने हाल ही में अपनी पत्नी के चौथे स्टेज के कैंसर से पूर्ण स्वस्थ होने तक की यात्रा सोशल मीडिया पर शेयर की और बताया कि इस स्टेज पर ज़िंदा बचने की संभावना मात्र तीन प्रतिशत है इसके बावजूद भी उन्होंने जीवन शैली में अनुशासित बदलाव, इलाज और पौष्टिक भोजन से इस बीमारी को हटा दिया।

टाटा मैमोरियल हॉस्पीटल के 262 से ज्यादा कैंसर विशेषज्ञों ने नवजोत सिंह सिद्धू के एक वीडियो में किए गए दावे का खंडन किया जिसमें कहा गया कि डेयरी प्रॉडक्ट्स का सेवन नहीं करके कैंसर कोशिकाओं को भूखा रखने और हल्दी व नीम का सेवन करने से लाइलाज कैंसर को ठीक करने में मदद मिली।

> ■ बॉम्बे के टाटा मैमोरियल हॉस्पिटल के 262 कैंसर विशेषज्ञों ने पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू के, नीम व हल्दी से पत्नी के कैंसर मुक्त होने के दावे को खारिज किया और कहा कि इसका पालन करने की बजाए डॉक्टर की सलाह लें।

हॉस्पीटल के कैंसर विशेषज्ञों ने कहा कि सिद्धू के बयान में कोई हाई क्वालिटी प्रमाण नहीं हैं जिससे इनके दावों को सही साबित किया जा सके। इनमें से कुछ पर रिसर्च चल रही है पर अभी कोई क्लीनिकल डेटा उपलब्ध नहीं है कि ये पदार्थ एंटी कैंसर एजेंट्स हैं। डॉक्टर्स ने कहा है जनता से आग्रह करते हैं कि इन गैर प्रमाणित उपायों को अपनाकर अपने इलाज में देरी ना करें। अगर कैंसर के कोई लक्षण मिले तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें, खासकर कैंसर विशेषज्ञ से, क्योंकि अगर जल्दी पता लग जाए तो कैंसर का इलाज हो सकता है।

कैंसर इलाज में सर्जरी, रेडिएशन थैरेपी और कीमो थैरेपी जांचे परखे इलाज हैं।

# बंगाल उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस का परचम लहराया

## इनमें से एक सीट तृणमूल ने भाजपा से छीनी है

कोलकाता, 23 नवंबर। पश्चिम बंगाल में सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस ने 13 नवंबर को हुए उपचुनाव में सभी छह सीटों पर जीत दर्ज की है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे तृणमूल कांग्रेस महासचिव अभिषेक बनर्जी ने राज्य के उत्तरी जिले सेतई से लेकर सुदूर दक्षिणी क्षेत्र (हरोआ) तक सभी छह विधानसभा सीटों पर सत्तारुढ़ पार्टी को शानदार जीत दिलाने के लिए लोगों को बधाई दी।

सेतई (कूचबिहार जिला) में तृणमूल कांग्रेस की संगीता रॉय ने भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) उम्मीदवार पर 1.3 लाख से अधिक मतों से जीत दर्ज की। उत्तर 24 परगना के हरोआ में एसके रबीउल रहमान ने अपने निकटतम आईएसएफ प्रतिद्वंद्वी को 1,31,388 से अधिक मतों से हराया।

> ■ तृणणूल कांग्रेस ने सभी 6 सीटें जीत कर जता दिया कि बंगाल में उसका कोई मुकाबला नहीं।

तृणमूल कांग्रेस ने मदारीहाट सीट भाजपा से छीन ली, जहां सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवार जय प्रकाश टोप्पो ने अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 23,000 से अधिक मतों से हराया। नैहाटी (उत्तर 24 परगना) में तृणमूल कांग्रेस के सनत डे ने 49,000 से अधिक मतों से जीत हासिल की। मेदिनापुर में तृणमूल कांग्रेस के सुजय हाजरा ने अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंद्वी को 20,00 से अधिक मतों से हराया। बांकुरा जिले के तलडांगरा से फल्गुनि सिंघा बाबू (तृणमूल कांग्रेस) ने अपने निकटतम भाजपा प्रतिद्वंदी को 33,000 से अधिक मतों से हराया।

बनर्जी ने जीत को माटी और मानुष को समर्पित करते हुए कहा, हम जमींदार नहीं हैं, हम लोगों के अगुआ हैं।

अभिषेक बनर्जी ने कहा, "पश्चिम बंगाल उपचुनाव में तृणमूल कांग्रेस के सभी 6 उम्मीदवारों को उनकी निर्णायक जीत के लिए बधाई, जिन्होंने जमींदारों द्वारा बनाये गये आख्यानों को झुठलाया है। इस बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने दावा किया कि वह 2026 के विधानसभा चुनाव जीतेंगे।

### कोटा में एक और ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

निजी अस्पताल ले गए जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को कब्जे में लेकर एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है और परिजनों को भी इस संबंध में सूचना दे दी है। खबर लिखे जाने तक मृतक छात्र के परिजन कोटा नहीं पहुंचे थे।

जांच अधिकारी, जवाहर नगर थाने के ए.एस.आई. गोपाल लाल बैरवा ने बताया कि परिजनों के आने के बाद जैसी स्थिति बनेगी वैसा किया जाएगा। परिजन पोस्टमार्टम चाहते हैं या नहीं यह उनके आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

गोपाल लाल बैरवा का कहना है कि घटना रात में 11 से 12 बजे के बीच की है। छात्र मूल रूप से मध्यप्रदेश के अनूपपुर का रहने वाला बताया जा रहा है। परिजनों की लिखित तहरीर के बाद इस पूरे मामले की जांच की जाएगी। प्रथम दृष्टया यह घटनाक्रम आत्महत्या का ही लग रहा है।

लेकिन कोई सुसाईड नोट नहीं मिला है। छात्र ने कोटा में बीते साल अप्रेल में प्रवेश लिया था।

# 'लड़की बहिन' योजना महायुति के लिए गेम चेंजर साबित हुई महाराष्ट्र में

## महायुति के, महिलाओं को सहायता राशि बढ़ाने के आश्वासन को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली

मुंबई, 23 नवंबर। महाराष्ट्र में सत्तारुढ़ महायुति गठबंधन के लिए 'मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन' योजना विधानसभा चुनाव में गेम चेंजर साबित हुई है। इस गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शिवसेना (शिंदे) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) (अजीत गुट) शामिल हैं।

राजनीतिक विशेषज्ञों ने शनिवार को कहा कि राज्य के कुल 9.70 करोड़ मतदाताओं में से 6.40 करोड़ मतदाताओं ने इस विधानसभा चुनाव में मताधिकार का प्रयोग किया और 6.40 करोड़ मतदाताओं में से 3.06 करोड़ महिलाएं और 3.34 करोड़ पुरुष थे।

महायुति का महिला-समर्थक अभियान सफल रहा और महिलाएं बड़ी संख्या में मतदान करने आईं। महिला मतदाताओं ने मासिक सहायता राशि को बढ़ाकर 2,100 रुपये करने के महायुति के आश्वासन पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रैलियों के दौरान घोषणा की कि सत्ता में आने के बाद महायुति सरकार चरणों में मासिक सहायता को बढ़ाकर 3,000 रुपये करेगी।

> ■ दूसरी ओर महाविकास अघाड़ी (एम.वी.ए.) के महालक्ष्मी योजना में मासिक सहायता को बढ़ा कर 4 हजार रुपये करने के वादे ने मतदाताओं को आकर्षित नहीं किया।

विशेषज्ञों ने कहा कि विपक्ष द्वारा इसे महिलाओं के लिए रिश्वत करार दिए जाने के बावजूद महायुति ने राज्य भर में समारोह आयोजित करके इस योजना को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए। दो करोड़ 36 लाख से अधिक पात्र महिला लाभार्थियों में से प्रत्येक को 7,500 रुपये (जुलाई से नवंबर तक पांच महीने के लिए 1,500 रुपये प्रत्येक) मिले और उन्होंने महायुति का भारी समर्थन किया।

## कांग्रेस कर्नाटक में तीनों ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

उन्हें दिये जाने वाला नगद लाभ।

ऐसा लगता है कि वक्फ सम्पत्तियों से सम्बन्धित विवाद जो भाजपा ने प्रचार से पहले और प्रचार के दौरान उठाये थे, के चलते चन्नापटना तथा शिग्गाँव में मुस्लिम वोट कांग्रेस के पक्ष में लामबन्द हो गये तथा भाजपा की आशा के विपरीत, इस विवाद ने भाजपा के पक्ष में काम नहीं किया। भाजपा और जे.डी. (एस.) के दिग्गजों का संयुक्त प्रचार चारों खाने चित्त हो गया, क्योंकि उप चुनाव के जनादेश ने बता दिया कि सिद्धारमैया के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों का प्रचार मतदाताओं के गले नहीं उतरा। सबसे ज्यादा शर्मनाक स्थिति जनतादल (सेकुलर) के पितामह देवेगौड़ा की हुई, जो अपने पौत्र निखिल को आगे नहीं बढ़ा सके। निखिल के लिये पिछले छः सालों में यह तीसरा दुर्भाग्यपूर्ण क्षण रहा है। वे फिल्म अभिनेता योगेश्वर से हार गये। यह सीट कुमारास्वामी के पास थी तथा जब वे मांड्या सीट से लोकसभा के लिये चुन लिये गये थे तो उन्होंने इसे खाली कर दिया था।

इस जीत के विषय में और भी ज्यादा महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि इससे वोक्कालिग्गा क्षेत्र में के.पी.सी.सी. प्रमुख तथा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की पकड़ और मजबूत हुई है। प्रसंगवश बता दे कि शिवकुमार के भाई डी.के. सुरेश लोकसभा चुनावों में बैंगालुरी सीट हार गये थे, तथा इस जीत के जरिये, कांग्रेस नेता ने कुमारास्वामी से हिसाब किताब बराबर कर लिया है।

सन्दूर विधान सभा क्षेत्र से अन्नपूर्णा, जो बल्लारी से पार्टी सांसद ई. तुकाराम की पत्नी हैं, ने भाजपा उम्मीदवार बंगारू हनुमन्तू को 9000 से अधिक वोटों से हरा दिया है। इस जीत का महत्व इसलिये है कि यह जीत खनन क्षेत्र के बेताज बादशाह तथा भाजपा के दिग्गज नेता जर्नादन रेड्डी की मौजूदगी के बावजूद हुई है, जिन्होंने इस सीट का प्रभार स्वयं लिया था।

## हाईकोर्ट ने कालवाड़ ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

कहा है कि यदि जे.डी.ए. की ओर से इस संबंध में जानकारी नहीं दी जाती है तो जे.डी.सी. 2 दिसंबर को अदालत में व्यक्तिशः हाजिर होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण पेश करें। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस विनोद कुमार भारवानी की खंडपीठ ने यह आदेश लियाकत अली खान की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता असलम खान ने अदालत को बताया कि कालवाड रोड स्थित गोल्डन बेकरी से एक्सप्रेस-वे तक रोड की चौडाई दो सौ फीट है। यहां कई जगहों पर प्रभावशाली लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है। इसे लेकर जे.डी.ए. को कई बार शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाए गए। जिसके चलते यहां आए दिन ट्रैफिक जाम के हालात बन जाते हैं। वहीं जे.डी.ए. की ओर से अधिवक्ता युवराज सामंत ने कहा कि अतिक्रमण हटाने को लेकर संबंधित अतिक्रमियों को कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं। दोनों पक्षों की बहस सुनकर अदालत ने रोड की वास्तविक स्थिति और यहां से अतिक्रमण हटाने को लेकर जे.डी.ए. को एक्शन प्लान पेश करने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने जे.डी.सी. को तलब किया है।

# पंजाब उपचुनाव : आप ने 4 में से 3 सीटें जीतीं

नयी दिल्ली, 23 नवंबर। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि 2013, 2015, 2020 के बाद आम आदमी पार्टी अब 2025 में दिल्ली जीतकर इतिहास रचने जा रही है।

केजरीवाल ने कहा कि आज पंजाब में चार सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे आए हैं। चार में से तीन सीटों पर आप भारी बहुमत से जीत गई है। खास बात यह है कि जो तीन सीटें हम जीते हैं, इसके पहले ये हमारी सीटें नहीं थीं। यह तीनों हम पहली बार जीते हैं। वर्ष 2022 में भी यह तीनों सीट हम नहीं जीते थे। वर्ष 2022 में जनता ने आम आदमी पार्टी को 117 में से 92 सीटें दी थीं। आज पंजाब में हमारी 95 सीटें हो गई हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि इन तीनों सीटों के ऊपर भारतीय जनता पार्टी की जमानत जब्त हो गई है।

> ■ केजरीवाल ने कहा 2022 में आप की आंधी में भी ये सीटें वो नहीं जीते थे।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि चार सीटों पर उपचुनाव हुए और इन चार में से तीन विधानसभा सीटों पर हमें जबरदस्त जीत मिली है। यह तीनों सीटें आम आदमी पार्टी ने पहली बार जीती हैं। हम जनता के पैसे से जनता को सुविधाएं दे रहे हैं, तो ये लोग इसे मुफ्त की रेवड़ियां कह रहे हैं। हम जीतकर आए हैं और आगे भी जीतेंगे। अब अगली बारी दिल्ली की है।

## यूडी टैक्स ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

कि भरतपुर नगर निगम ने गत 11 सितंबर को याचिकाकर्ता की संपत्ति को यू.डी. टैक्स जमा नहीं कराने के आधार पर सील कर दिया। इसके चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता फर्म का प्रोपराइटर हरेन्द्र सैनी है। ऐसे में यू.डी. टैक्स का नोटिस भी उसके नाम से जारी होना चाहिए था। इसके बावजूद नगर निगम ने उसके रिश्तेदार राम गोपाल सैनी के नाम से नोटिस दिया था। याचिका में बताया गया कि नगर पालिका अधिनियम के तहत टैक्स वसूली की विस्तृत प्रक्रिया है, जिसमें संबंधित पक्ष को नोटिस देना भी शामिल है। इसके बावजूद याचिकाकर्ता की संपत्ति को उसे बिना वैध नोटिस दिए सील कर दिया गया। याचिका में यह भी कहा गया कि नगर पालिका अधिनियम की धारा 104 के तहत तीन सौ वर्ग गज तक की संपत्ति यूडी टैक्स से मुक्त रहेगी। याचिकाकर्ता की संपत्ति मात्र सौ वर्ग गज से भी कम होने के बावजूद उसका टैक्स बकाया बताकर संपत्ति को सील करने की कार्रवाई की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संपत्ति की सील को तत्काल हटाने के आदेश दिए हैं।

## 'महाराष्ट्र में ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

मिल गई है उसे पूर्ण बहुमत यानि 189 सीटें मिल गई है। पार्टी ने राजनैतिक रूप से महत्वपूर्ण इस राज्य पर अपना दबदबा बनाए रखा है। भाजपा ने 149 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 130 सीटें जीत ली हैं।

महाराष्ट्र में महायुति की जीत से स्पष्ट है कि नरेन्द्र मोदी का जादू बरकरार है उन्होंने एम.वी.ए. को बुरी तरह हरा दिया, जो 5 महीने पहले तक आगे चल रहा था।

## भाजपा ने 7 में से 5 सीटें ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

टोली का हौसला बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने प्रचार अभियान की सामग्री को स्वयं अपनी देखरेख में तैयार कराया, प्रचार अभियान के तहत, इन सातों क्षेत्रों में चुनावी सभाएँ आयोजित कीं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा लगातार बूथ के कार्यकर्ता, मंडल के कार्यकर्ता, शक्ति केन्द्र के कार्यकर्ता, विभिन्न व्यवस्था में लगी टीमों, चुनावी प्रचार अभियान में लगे कार्यकर्ता, विधानसभा चुनाव संचालन समितियों एवं क्षेत्र में लगे प्रदेश के पदाधिकारियों से लगातार फ़ोन पर संपर्क में रहे। मुख्यमंत्री का विरोधियों पर लगातार प्रहार, आक्रामक भाषण एवं विपक्षी दलों को चुनौती, उनके शानदार चुनाव प्रचार का हिस्सा रहीं। कांग्रेस की गुटबाज़ी, पसंदीदा उम्मीदवार के लिए ही उनके नेताओं का प्रचार, बड़े नेताओं का चुनाव प्रचार में नहीं जाना आदि, उसकी हार का कारण बने। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उपचुनाव के दौरान 4 बागियों को मनाया, 14 चुनावी सभाएँ, 44 सामाजिक बैठकें, सैकड़ों मुलाक़ातें और हज़ारों फ़ोन किए, परिणामस्वरुप भाजपा ने उपचुनाव की 7 में से 5 सीटों पर जीत दर्ज की। हालांकि, भाजपा के पास पहले केवल एक सलूम्बर विधानसभा थी, लेकिन अब सलूम्बर के साथ, देवली-उनियारा, रामगढ़, झुंझुनू, खींवसर पर भी जीत के साथ ये भाजपा के खाते में आई गई हैं।

# महाराष्ट्र की करारी हार : प्रश्न चिन्ह लगा ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पार्टनर 236 सीटें जीत चुके हैं, जबकि महा विकास अघाड़ी 48 सीटों पर आगे है। यह संख्या कम होती जा रही है।

इस बुरी खबर के बाद, कांग्रेस के लिये यह अच्छी खबर भी है कि झारखंड में, कांग्रेस-जे.एम.एम. बहुमत हासिल कर चुकी हैं तथा सत्ता में लौटने की स्थिति में हैं।

झारखंड की 81 सीटों में से इंडिया गठबंधन 56 सीटों पर तथा भाजपा 24 सीटों पर आगे है। तमाम कोशिशों और घुसपैठियों का मुद्दा जोर-शोर से उठाने के बावजूद, भी भाजपा हेमन्त सोरेन को सत्ता से नहीं हटा सकी तथा वे पुनः मुख्यमंत्री के रुप में अपनी वापसी के लिये उद्यत हैं।

हो सकता है कि सोरेन को जेल में डाल देने के मोदी सरकार के निर्णय ने जनता के मन में मुख्यमंत्री के लिये सहानुभूति पैदा कर दी हो।

> ■ यहां तक कि रॉबर्ट वाड्रा ने कुछ ऐसा ही कहा, "यह समय नहीं है, ई.वी.एम." की बात करने का।

जयराम रमेश को महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार का स्पष्टीकरण देने में मुश्किल आई। उन्होंने एक बार फिर ई.वी.एम. पर दोषारोपण किया। लेकिन इस दोषारोपण से एक बार फिर वही प्रश्न पैदा होता है कि पार्टी इस बिन्दु को हारने के बाद ही क्यों उठाती है, सामान्य स्थिति में क्यों नहीं उठाती।

महाराष्ट्र की जबरदस्त हार ने भाजपा के व्यवहार्य विकल्प के रूप में कांग्रेस पर एक प्रश्न चिन्ह लगा दिया है।

ममता बनर्जी, जो भाजपा को हराकर, सभी छः उपचुनाव जीत गई हैं, ने कहा है कि उन्होंने भाजपा को सत्ता से दूर रखा है, जो कांग्रेस नहीं कर सकी है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है कि विपक्षी इंडिया गठबंधन का नेतृत्व उनके हाथों में दे दिया जाये।

आर. जे. डी. के मनोज झा ने कहा है कि उनकी पार्टी इस परिणाम के लिए ई. वी. एम. को दोष नहीं देगी।

रॉबर्ट वाड्रा ने भी कहा है कि यह समय ई. वी. एम. के बारे में बात करने का नहीं है।

कांग्रेस के मित्र दलों की ओर से भी कांग्रेस के प्रति विरोध पैदा हो रहा है। दरअसल, कांग्रेस प्रत्येक हार के बाद, कमज़ोर हो जाती है। अप्रत्याशित स्तर की हार के बाद की तो बात ही अलग है।

## "समाजवाद" और "धर्म...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

उपाध्याय भी शामिल हैं। इन याचिकाओं में संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद और धर्म निरपेक्षता शब्द जोड़े जाने का विरोध किया गया है।

चीफ जस्टिस संजय खन्ना ने स्पष्ट किया कि भारतीय संदर्भ में "समाजवाद" का अर्थ है "वैलफेयर स्टेट" (कल्याणकारी राज्य), वह नही जिसकी अवधारणा कार्ल मार्क्स ने दी थी और जिसे पश्चिमी देशों ने सम्पत्तियों पर सरकार के नियंत्रण के रूप में अपनाया था। उन्होंने कहा भारत में ऐसा कोई नियंत्रण नहीं है और निजी क्षेत्र ने भारी विकास किया है। भारत में समाजवाद का अर्थ है लोक कल्याण और सभी को समान अवसर देना। जहां तक धर्मनिरपेक्षता का सवाल है यह 1994 के एस.आर. बोम्मई केस में संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा था।

डॉ. स्वामी ने कहा कि ये संशोधन न केवल आपातकाल में लाए गए। बल्कि बाद में आई मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी सरकार ने भी दो तिहाई बहुमत से इन संशोधनों का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि यह शब्द मूल प्रस्तावना, जिसमें भारत को सम्प्रभु, लोकतांत्रिक, गणतंत्र घोषित किया गया था, में शामिल करने की बजाय एक अलग अनुच्छेद में लिखे जाने चाहिए थे।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर।